जो मांगोगे वही मिलेगा

अब आप किसी तरफ से निराश न हों। इस तान्त्रिक अंगूठी को पहनने से दिल में आप जिस स्त्री या पुरुष का नाम लेंगे, वह देखते ही देखते फौरन वश में हो जायगा, चाहे कितना पत्थर दिल क्यों न हो, सात समुद्रफांद, सात ताले तोड़, आपके कदमों में हाजिर होगा, कठोरता तथा शत्रुता को छोड़कर आपका हुक्म मानने लगेगा दिल पसन्द सगाई शादी होगी, नौकरी मिलेगी, मुर्दा रूहों से बातचीत होगी, जमीन में दबी दौलत सपने में दिखाई देगी, मुकदमे में जीत मिलेगी, परीक्षा में पास होंगे, व्यापार में लाभ होगा, दुष्ट ग्रह शान्त होंगे, बद-किस्मती दूर होगी खुशकिस्मत बन जाओगे, जीवन सुख शान्ति से व्यतीत होगा।

तान्त्रिक अंगूठी १-१५-०, स्पेशल पावर फुल ३-१५-० तीन रुपये पन्द्रह आने जिसका २४ घण्टों में फौरन असर होता है। यह तान्त्रिक अंगूठी ग्रहण तथा शुभ मुहूर्त में तैयार की गई है। सूर्य पूर्व के बजाय पश्चिम में उदय हो सकता है लेकिन इस तान्त्रिक अंगूठी का असर कभी खाली नहीं जाता। ठीक न होने पर दुगनी कीमत वापिस की गारन्टी है मिथ्या साबित करने वाले को १०००) नकद इनाम। एक बार जरूर आजमायश करें।

राज ज्योतिषी पं० देवदत्त शास्त्री (B. P. 60) जालन्धर

अभिलाषा

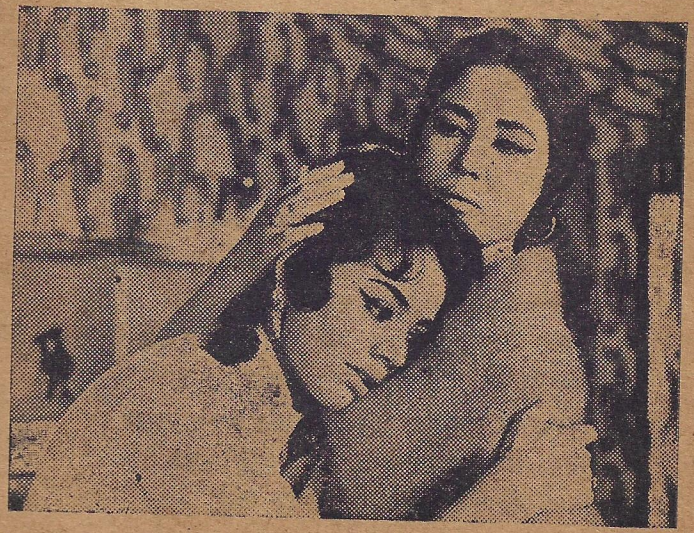

कीमत दस रुपा

आर. जे. दवे कृत

डायरेक्टर-अमीत बोस म्यु.—राहुल देव बर्मन

कलाकार-संजय, नंदा, मीनाकुमारी, रेहमान, सुलोचना, काशिनाथ

गाने—मजरुह

अभिलाषा के गाने

१-सिनोरा.. सिनोरा . सिनोरा.. सिनोरा.

यारो हमारा क्या, चल दें जिधर चाहें
बोतल की गर्दन में डाले हुए हैं बाहें
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरु
हे ३ हम नहीं सुनते बात किसीकी फ़ादर हो या लामा
आ गये पहन के किसीका हो पजामा
टाई किसी की गले बांध के फिरते हैं आवारा
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरु
हे ३ सोने की जंजीर बदन पे ना मुठ्ठी में पैसे
फिर कोई दिलरुबा रूके पास तो कैसे
अरे दिलबर हमको गये छोडके अब तक तो दस बारह
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरू
अरे माल जिधर है यार अभी तो हाथ उधर फेकेंगे
सर पर ही पड गई कभी तो फिर देखेंगे
आज तलक हो गुजर रही है करके लप्पा लारा
न हमारा कोई पोरा न हमारी कोई जोरू
यारो हमारा क्या, चल दें जिधर चाहें

३

बोतल की गर्दन में डाले हुए हैं बाहें
२-मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरिया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
एक हंसी देके ले जा ये उमरिया
आजारे छुप जा मेरी आंचल की छैंया तले
मुख से तेरे पहले पहल अंगना मेरे दीप जले
तेरे बीना सुनी थी रे नगरीया मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
एक हंसी देके ले जा ये उमरीया मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
३-मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ...
तेरे मुखसे आंचल भरा ममता को गीत मिला
पत्थर पे फूटी कली, धरती पे चांद खिला
आज मेरी तारों भरी है डगरीया, मुन्ने मेरे आ...
एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ प्यारीसी छोटिसी ये मूरत है मनमें बसी
मन मेरा डोले जहां तू है और तेरी हंसी दमसे तेरे स्वर्ग बनी मेरी दु
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
रफी-४आ.. आ २ एक जानिब शम्मे—महफिल
एक जानिब शमे-महफिल एक जानिब रुए- जाना
ओ-ओ- २ गिरता है देखें कहां परवाना आं...आं.. २
एक जानिब शम्मे महफिल

मन्नाडे-एक जानिब शम्मे-महफिल एक जानिब शम्मे महफिल
ओ-ओ २ गिरता है देखें कहां परवाना आं
एक जानिब शम्मे-महफिल रफी-इक सू एक शोला
चरागोंकी अंजुमनमें ऐ ऐ इक सू रंगे-जलवा किसी बुतके बांकपनमें
मन्नाडे-इक शोला इक जलवा और इनमें इक दीवाना आं...
एक जानिब शम्मे-महफिल ओ २ एक जानिब रूए जाना
ओ ओ ओ गिरता है देखें कहां परवाना
एक जानिब शम्मे महफिल
मन्नाडे-उसकी क्या मंजिल नहीं इतना बेखबर मी ई ई
आया दिलबरों में तो है काफी इक नजर मी
रफी—इन नजरों को यारों क्या जानू मैं अनजाना
एक जानिब शम्मे महफिल एक जानिब रुए जाना
ओ ३ गिरता है देखे
कहां परवाना आं आं एक जानिब शम्मे महफिल
मन्नाडे-हूं ३-ला ला लारा रा रा
रफी-ला ला लारा ला लारा क्या २ रंग निकले
हसीनों की सादगी से
मन्नाडे-ओ २ इतनी है शिकायतकी मिलते हैं अजनबीसे
रफी-जो ऐसा बेपरवा क्या उससे दिल उलझाना आं आं
एक जानिब शम्मे महफिल मन्नाडे-ओ एक जानिब रूए जाना
दोनो-ओ २ गिरता है देखें कहां परवाना आं आं

एक जानिब शम्मे महफिल एक जानिब रुए जानां
ओ औ २ गिरता है देखें कहां परवाना
एक जानिब शम्मे महफिल
रफी-५- वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
जब चुराओगे मन तुम किसी बातसे शाखे गुल छेड देगी मेरे हाथसे
अपनी ही जुल्फ को और उलझाओगे
वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादीयां मेरा दामन
जबसे मिलने लगी तुमसे राहें मेरी चांद सूरज बनी दो निगाहें मेरी
तुम कहीं भी रहो तुम नजर आओगे
वादीयां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें जाओ मेरे सिवा तुम कहां
जाओगे, वादीयां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादीयां मेरा दामन
६-लडका-हे-हे-हे-हे ला...ल...ल ल...ला हे-हे-हे-हे
लडकी-प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता छुपके नजरसे.
दिलसे नहीं जाता अरे प्यार हुआ जबसे
मुझको नहीं चैन आता छुपके नजरसे भी तू दिलसे नहीं जाता
लडका-लिपटी है तू मेरी ही बाहों से

लडकी-फिर है सजना ओझल क्यों मेरी निगाहों से
लडका-मैं हूं तेरे दिलमें (हाय) फीर भी मेरी जां
तूने ही मुझको नहीं देखा, मैं करूं क्या
लडकी-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुपके नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडका-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुपके नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडकी—रखना दिल को लेकर इन हाथों में
लडका—दिल है पागल आना न तू इसकी बातों में
लडकी-लेकिन इस दिल पे अरे काबू किसको
ये तो है तेरा दीवाना मैं करूं क्या
लडका-अरे प्यार हुआ है जबसे, मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडकी-प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडका—लूटा तेरे गेसू बिखराने
लडकी—मिलना है क्या ऐ जालिम मुझे सताने में
लडका—तुझको उलझा के मुझको मेरी जां
अच्छी लगती है तेरी सूरत मैं करूं क्या
लडकी-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता

वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
जब हंसेगी कली रंग वाली कोई
जब हसेगी कली रंग वाली कोई
और झूक जाएगी तुमपे डाली कोई
सर झुकाए हुए तुम मुझे पाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
चल रहे हो जहां इस नगरसे परे चल रहे हो जहां इस नगरसे परे
वो डगर तो गुजरती हैं दिल से मेरे
डगमगाते हुए तुम यहीं आओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बांहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन

हर प्रकार की नई और पुरानी फिल्मी गाने की पुस्तकें
मिलने का एक मात्र स्थान
एस. एच. गोंडावाला भारत प्रकाशन
बुक सेलर एन्ड पब्लीशर्स, दो टांकी बाण्टी रोड, बम्बई ८